M.Com. (Part-II) (CBCS / New CBCS PATTERN) Semester IV

PCC4C03 / PCC4E03 - Entrepreneurial Development

P. Pages : 3 **GUG/W/22/13700**

Time : Three Hours * 3650 * Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Define entrepreneurship. Explain the role of entrepreneurship in economic development. **16**

OR

Explain the concept of women entrepreneurs. And explain contributing factors to growth of women entrepreneurs. **16**

2. Explain the concept of entrepreneurial development cycle and state it's objectives. **16**

OR

Explain the role of entrepreneurship development programme in enhancing entrepreneurial opportunities in India. **16**

3. Explain the characteristics of small scale industries. Explain the concept behind their development in India. **16**

OR

Explain in detail the opportunities and problems of small scale industries in India. **16**

4. Explain in detail the concept of subcontracting system with it's various types. **16**

OR

Explain global aspects of entrepreneurship. State the opportunities and issues in international trade. **16**

5. Write short notes on following

a) Social entrepreneurship **4**

b) Types of entrepreneurship. **4**

c) Objectives of small scale industries. **4**

d) Problems of Agro based industries. **4**

****

M.Com. (Part-II) (CBCS / New CBCS PATTERN) Semester IV

PCC4C03 / PCC4E03 - Entrepreneurial Development

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. उद्योजकतेची व्याख्या करा. आणि आर्थिक विकासात उद्योजकतेची भूमिका स्पष्ट करा. **16**

किंवा

महिला उद्योजकतेची संकल्पना स्पष्ट करा. आणि महिला उद्योजकतेच्या वाढीला योगदान देणारे घटक स्पष्ट करा. **16**

2. उद्योजकता विकास चक्राची संकल्पना स्पष्ट करून त्याचे उद्देश विशद करा. **16**

किंवा

भारतात उद्योजकतेच्या संधीत वाढ करण्यात उद्योजकता विकास कार्यक्रमाचे योगदान स्पष्ट करा. **16**

3. लघु उद्योगांची वैशिष्टये स्पष्ट करा. भारतात लघु उद्योगांच्या विकासामागील संकल्पना स्पष्ट करा. **16**

किंवा

भारतात लघु उद्योगाच्या संधी व समस्या स्पष्ट करा. **16**

4. उप-ठेका ही संकल्पना सवस्तिर स्पष्ट करून त्याचे विविध प्रकार स्पष्ट करा. **16**

किंवा

उद्योजकतेचा जागतीक दृष्टिकोन स्पष्ट. आणि जागतीक व्यापारातील संधी व समस्या स्पष्ट करा. **16**

5. सक्षिप्त उत्तरे लिहा.

अ) सामाजिक उद्योजकता **4**

ब) उद्योजकतेचे प्रकार **4**

क) लघु उद्योगांचे उद्देश **4**

ड) शेती आधारीत उद्योगांच्या समस्या. **4**

****

M.Com. (Part-II) (CBCS / New CBCS PATTERN) Semester IV

PCC4C03 / PCC4E03 - Entrepreneurial Development

Time : Three Hours Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. उद्योजकता की व्याख्या कीजिए। एवंम् आर्थिक विकास मे उद्योजकता की भूमिका स्पष्ट कीजिए। **16**

अथवा

महिला उद्योजकता की संकल्पना स्पष्ट कीजिए। महिला उद्योजकता वृध्दि मे योगदान देनेवाले घटक स्पष्ट कीजिए। **16**

2. उद्योजकता विकास चक्र की संकल्पना स्पष्ट कीजिए। एवंम् उसके उद्देश विशद कीजिए। **16**

अथवा

भारत मे उद्योजकता की संधी मे वृध्दि करने हेतु उद्योजकता विकास कार्यक्रम का योगदान स्पष्ट कीजिए। **16**

3. लघु उद्योग की विशेषताएं स्पष्ट कीजिए। एवंम् भारत में लघु उद्योग के विकास की संकल्पना स्पष्ट किजिए। **16**

अथवा

भारत में लघु उद्योग के अवसर एवंम् समस्याए स्पष्ट कीजिए। **16**

4. उप-ठेका यह संकल्पना विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए। एवंम् उसके विभिन्न प्रकार स्पष्ट किजिए। **16**

अथवा

उद्योजकता का जागतीक दृष्टिकोण स्पष्ट किजिए। और जागतीक व्यापार में अवसर तथा समस्याएं स्पष्ट कीजिए। **16**

5. संक्षेप टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) सामाजीक उद्योजकता। **4**

ब) उद्योजकता के प्रकार। **4**

क) लघु उद्योग के उद्देश। **4**

ड) कृषी आधारित उद्योग की समस्याएं। **4**

****